Titupati Balaji Group / Established 2009 / Ghaziabad
R.N.I No. UPBIL/2009/28691, DAVP Code: 101473

Page 8 / Price Rs. 2.00 / Ghaziabad, Sunday, 25 March 2018
Postal Registration No. UP/GBZ-80/2016-18

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-9 Issue - 42

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad
केन्द्र एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

News of the Week सीबीएसई पेपर लीक मामले में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 12वीं के अर्थशास्त्र की परीक्षा 25 अप्रैल को दोबारा कराने का फैसला किया है। इससे करीब पांच लाख छात्रों को फिर से तैयारी में जुटना होगा।

Inside Ghaziabad

पेज नंबर 2
जन सेवा केंद्र संचालकों ने जिला मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

पेज नंबर 5
Illegal liquor in SUV with BJP flag, 8 booked

TIRUPATIEYE

सरकारी कार्यालय अवकाश में भी खुलेंगे

गाजियाबाद : सरकारी कार्यालयों को आज से तीन दिन के अवकाश में खोला जाएगा। इसके लिए शासन से सभी कार्यालयों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। वार्षिक लेखाजोखा के लिए कार्यालय खोले जाएंगे और राजस्व संबंधी कार्य को पूरा किया जाएगा। पब्लिक संबंधी कार्य कार्यालयों में नहीं किए जाएंगे। टैक्स संबंधी कार्यों को अधिकारी निपटाएंगे।

यूपी–14 डीपी की नई सीरीज अपलोड

गाजियाबाद : संभागीय परिवहन विभाग ने गाजियाबाद में वाहनों के पंजीयन के लिए नई सीरीज यूपी–14 डीपी के वीआइपी नंबरों को बुकिंग के लिए एनआइसी की साइट पर अपलोड कर दिया है। एआरटीओ प्रशासन विश्वजीत प्रताप सिंह ने बताया कि वीआइपी नंबरों की बुकिंग के लिए 30 मार्च सुबह दस बजे से लोग ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

वर्दी में न आने वाले कर्मी का कटेगा वेतन

गाजियाबाद : जीडीए में वर्दी में न आने वाले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को अपनी यह आदत छोडनी होगी। सचिव संतोष कुमार राय ने नोटिस जारी कर कहा है कि बहुत से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी वर्दी पहन कर नहीं आ रहे हैं। जबकि, उन्हें वर्दी उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा है कि अब जो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी वर्दी पहन कर नहीं आएगा। वर्दी के एवज में किए गए भुगतान की राशि कर्मचारी के वेतन से काट ली जाएगी।

एलिवेटेड रोड जनता को समर्पित

यह देश की सबसे लंबी छह लेन सिंगल पिलर पर बनी एलिवेटेड रोड है, भारी वाहन प्रतिबंधित

गाजियाबाद : यूपी गेट से राजनगर एक्सटेंशन तक देश की सबसे लंबी छह लेन सिंगल पिलर पर बनी एलिवेटेड रोड शुक्रवार को जनता के लिए खोल दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फीता काट कर रोड का उद्घाटन किया। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने एलिवेटेड रोड का निर्माण कराया है। 10.30 किलोमीटर लंबी रोड 227 सिंगल पिलर पर बनी है। नवंबर 2014 में इसका निर्माण कार्य शुरू हुआ था। इससे बनने में तीन साल चार महीने का वक्त और 1147.60 करोड़ रुपये की लागत आई है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का दावा है कि सिंगल पिलर पर यूपी गेट से राजनगर एक्सटेंशन तक बनी छह लेन की एलिवेटेड रोड देश में सबसे लंबी है। अधिकारियों ने बताया कि कानपुर में चकेरी से भौंती बनी 23 किलोमीटर की एलिवेटेड रोड दो पिलर पर बनी है। इसके अलावा हैदराबाद की पीवीएनआर एलिवेटेड रोड भले

11.6 किलोमीटर लंबी है, लेकिन वह केवल चार लेन है। छह लेन की सिंगल पिलर पर इससे बड़ी एलिवेटेड रोड देश में नहीं है। इस रोड पर वाहन हवा से बात करेंगे। ऐसे में यू–टर्न नहीं दिया गया है। यू–टर्न से हादसे की आशंका बढ़ जाती है। यूपी गेट से एक बार रोड पर चढ़े तो उतरने का रास्ता नहीं है। फिर राजनगर एक्सटेंशन तक जाना ही होगा। राजनगर एक्सटेंशन से चढने वाले जरूरी कनावनी पुलिया के पास बने डाउन रैंप से उतर सकते हैं। यह जरूर है कि तीन जगहों पर डिवाइडर स्लैब बनाए गए हैं। एक वसुंधरा से पहले और दो वसुंधरा के बाद। वीवीआइपी के आगमन और जरूरत पडने पर डिवाइडर स्लैब को हटाकर यू–टर्न बनाया जा सकता है। हिंडन नदी को गंदगी से बचाने के लिए जाल लगाए गए हैं। जीटी रोड के पास एलिवेटेड रोड मेट्रो कॉरिडोर के ऊपर से जा रही है। वहां भी जाल लगाया गया है। पूरे रोड पर थीम पेंटिंग और डिवाइडर पर पौधे लगे इसे खूबसूरत बना रहे हैं। एलिवेटेड रोड पर वाहनों की गति सीमा तय है। कार की अधिकतम गति सीमा 80 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। दुपहिया वाहनों की गति सीमा 60 किलोमीटर प्रति घंटा तय है। भारी वाहनों को रोकने के लिए रोड के दोनों तरफ शुरूआती छोर पर लो हाइट बैरियर लगाए गए हैं। यही नहीं इस रोड पर धुआं छोड़ते वाहनों को चलाना प्रतिबंधित किया गया है। ऐसे वाहनों को रोकने की जिम्मेदारी पुलिस को दी गई है। प्राधिकरण के सर्वे के अनुसार एलिवेटेड रोड पर व्यस्त समय में 5800 वाहन दौडने का आकलन है।

24 घंटे रहेगी फर्स्ट ऐड सुविधा

एलिवेटेड रोड पर स्टेट लेवल एनवायरमेंट इंपैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी (एसईआइएए) की सिफारिश पर कई सुरक्षात्मक इंतजाम किए गए हैं। रोड पर 24 घंटे फर्स्ट ऐड की सुविधा रहेगी। पैरामेडिकल स्टाफ के साथ लाइफ सपोर्ट सिस्टम युक्त एंबुलेंस हर वक्त रोड पर रहेगी। पेट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है। 20 सुरक्षा गार्ड तैनात किए हुए हैं।

जनपद के 350 परिषदीय विद्यालय बने आदर्श, मिलेगी प्राइवेट की तरह सुविधाएं

गाजियाबाद : जिले के परिषदीय विद्यालयों में से 350 विद्यालयों को बेसिक शिक्षा विभाग और प्राइवेट संस्थाओं के माध्यम से आदर्श विद्यालयों में परिवर्तित किया गया है। इनका शिलान्यास मुख्यमंत्री ने किया। इन स्कूलों में 20 करोड़ की लागत से आधुनिक फर्नीचर, फर्श की मरम्मत, शौचालय की व्यवस्था, ब्लैक बोर्ड आदि की सुविधाएं उपलब्ध होगी। जनपद में परिषदीय विद्यालयों को आदर्श विद्यालय बनाने का कार्य छह महीने पहले शुरू हुआ था। इसमें जिला प्रशासन, ग्राम पंचायत विभाग और बेसिक शिक्षा विभाग ने मिलकर काम किया है। सरकारी स्कूलों की व्यवस्था का प्रारूप प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर किया जा रहा है। इसमें बच्चों के लिए ई लर्निंग और प्रयोगशालाओं का निर्माण भी कराया गया है। 350 विद्यालयों मे से अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों के हैं, जिनमें ग्राम पंचायत की मदद से स्कूल में काम हो पाया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी विनय कुमार का कहना है कि आदर्श विद्यालयों का निर्माण विभिन्न चरणों में पूरा हुआ है। प्रथम चरण में 120, द्वितीय चरण में 60 और तृतीय चरण में 70 स्कूल आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित किए गए।

Probe ordered into 2015 GDA building bylaws

GHAZIABAD: The GDA has ordered an inquiry into how residential areas were selected by it in 2015 to implement building bylaws that allowed stilt parking and four floors. TBC had on February 28 reported that the GDA hadn't specified the basis of its selection of the areas despite several appeals by residents of the colonies that were left out. "An inquiry into the matter has been ordered through a three-member panel of the secretary, the chief town planner and the finance controller of Ghaziabad Development Authority. The panel has been directed to

submit its report in two weeks. A letter in this regard was issued three days ago. The next course of action will be taken on the basis of the panel's report," GDA vice-chairperson Ritu Maheshwari said on Tuesday. In 2015, the GDA had allowed the construction of buildings with stilt parking plus four floors in 13 areas, on the basis of amended building bylaws issued exclusively for Ghaziabad by the UP housing department.

जन सेवा केंद्र संचालकों ने जिला मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

गाजियाबाद : जन सेवा केंद्र संचालकों ने बुधवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जन सेवा केंद्रों पर विभिन्न सेवाओं के लिए सरकार द्वारा निर्धारित 20 रुपये में से वयम टेक्नोलॉजी द्वारा काटे जाने वाले 17.50 रुपये बंद कराने की मांग की गई है। कर्मियों का कहना है कि केवल ढाई रुपये के कमीशन में इंटरनेट, आवेदन फार्म, प्रमाण पत्र फार्म, दुकान किराया, विद्युत बिल सहित अन्य खर्चे भी पूरे नहीं होते हैं। प्रदर्शन कर रहे संचालकों ने कार्य बंद करने का निर्णय भी लिया है।

कहां बनाएं भूमिगत जलाशय, तलाश जारी

गाजियाबाद : विजयनगर के भीमाबाई पार्क में भूमिगत जलाशय के निर्माण को लेकर विरोध जारी है। लोग नगर निगम को काम नहीं करने दे रहे। अब निगम दूसरी जगह तलाशने को मजबूर हो गया है। आसपास जमीन तलाशी जा रही है। कुछ दिन पहले अमृत योजना के तहत 37 करोड़ रुपये से वार्ड–18 अंबेडकर नगर, वार्ड–12 सर्वोदय नगर, माता कालोनी, वार्ड –45 सेक्टर–11 प्रताप विहार, वार्ड–66 प्रताप विहार और वार्ड–2 पुराना विजयनगर में पानी मुहैया कराने की योजनाओं का शिलान्यास किया गया था। इससे क्षेत्र की 1.6 लाख की आबादी को फायदा होगा।

हत्यारों की गिरफ्तारी न होने पर थाने पर किया अनशन

गाजियाबाद : मोदीनगर में दसवीं कक्षा की छात्रा की हत्या की घटना के पर्दाफाश की मांग को लेकर बुधवार को छात्रा के पिता थाना परिसर में फिर आमरण अनशन पर बैठ गए। पुलिस अधिकारी पीडित की मान मनव्वल में जुटे थे। बता दें कि कृष्णानगर स्थित मंदिर के पुजारी की दसवीं कक्षा में पढने वाली बेटी 26 दिसंबर को लापता हो गई थी। घटना के दो सप्ताह बाद उसका शव मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र में खेत में पड़ा मिला था। आरोपितों ने छात्रा की हत्या कर शव को वहां फेंक दिया था। परिजन पुलिस से तभी से घटना के पर्दाफाश की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन तीन माह बाद भी पुलिस घटना के पर्दाफाश में नाकाम है। बुधवार को छात्रा के पिता फिर थाने पहुंचे और आमरण अनशन पर बैठ गए। उनका कहना था कि पुलिस अधिकारी उन्हें रोजाना घटना के पर्दाफाश का झूठा आश्वासन दे रहे हैं, लेकिन आज तक इसमें कोई भी कार्रवाई नहीं हुई है। उनका कहना था कि जब तक उनकी बेटी के हत्यारों को जेल नहीं भेजा जाएगा, वे थाना परिसर में आमरण अनशन पर बैठे रहेंगे। पुलिस अधिकारी पुजारी को समझाकर आमरण अनशन से उठने के लिए कह रहे थे, लेकिन इसका कोई भी असर पुजारी पर नहीं हुआ।

बैंक लोन घोटाले में प्रशांत की हुई गवाही

गाजियाबाद : नोएडा स्थित इलाहाबाद बैंक में हुए लोन घोटाले में बुधवार को सीबीआइ के विशेष न्यायाधीश पवन कुमार तिवारी की अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान प्रशांत कुमार दास ने अदालत में पेश होकर गवाही दी। मामले में सुनवाई के लिए अगली तारीख 17 अप्रैल की नियत की गई है। सीबीआइ के वरिष्ठ लोक अभियोजक बीके ड्क्षसह ने बताया कि मामला वर्ष 2000–01 का है। उस वक्त नोएडा स्थित इलाहाबाद बैंक की शाखा में एसके अग्रवाल बैंक मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। आरोप है कि पद को दुरुपयोग कर उन्होंने नियमों को ताक पर रखकर गलत तरीके से लाखों रुपये का लोन स्वीकृत किया।

किसानों का करोड़ों रूपये दबाए बैठा है मोदी शुगर मिल, भुगतान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

गाजियाबाद : मोदीनगर में गन्ने का बकाया भुगतान दिलाने की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मंच के बैनर तले किसानों ने बुधवार शाम को एसडीएम को ज्ञापन दिया। भुगतान न दिलाए जाने पर किसानों ने दस दिन बाद आंदोलन छेडने की चेतावनी दी है। राष्ट्रीय किसान मंच के शहर अध्यक्ष पप्पन शर्मा के नेतृत्व में किसान बुधवार शाम को तहसील कार्यालय पहुंचे। किसानों ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि मोदी शुगर मिल किसानों का भुगतान करने को तैयार नहीं है। जबकि नियम के तहत 14 दिन में मिल को भुगतान करना होता है। किसानों ने एसडीएम

पवन अग्रवाल को ज्ञापन सौंपते हुए दस दिन के अंदर भुगतान दिलाने की मांग की। अन्यथा की स्थिति में किसानों ने उग्र आंदोलन छेडने की चेतावनी दी है। इस मौके पर अशोक शर्मा, जगमोहन शर्मा, विनय शर्मा, बंटी, राजेंद्र त्यागी, श्यामलाल सैनी, रविंद्र कुमार, योगेश शर्मा, सुनील त्यागी, प्रभुशंकर आदि किसान मौजूद रहे।

चिप वाले एटीएम कार्ड से 30 हजार निकाले

xkft;kckn । राजनगर एक्सटेंशन में रहने वाले फार्मा कंपनी के मैनेजर के एटीएम कार्ड का क्लोन कर 30 हजार रुपये निकाल लिए गए। पीडित सिहानी गेट थाने शिकायत लेकर पहुंचे तो पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने से इंकार कर दिया। आरोप है कि पुलिस ने बैंक द्वारा कार्रवाई की बात कहते हुए उन्हें लौटा दिया। एसएसपी के आदेश के बाद मंगलवार रात को मामले में मुकदमा दर्ज किया गया। राजनगर एक्सटेंशन की गौर कास्केड में रहने वाले दिलीप रथ दिल्ली स्थित जुबेंटस हेल्थकेयर लिमिटेड में सीनियर मैनेजर हैं। उनका केनरा बैंक में बचत खाता है। दिलीप के मुताबिक 24 मार्च की रात 11 बजे उनके मोबाइल पर तीन मैसेज आए। तीनों में रुपये एटीएम के जरिए निकाले जाने की सूचना थी।

बदमाशों के हौसले बुलंद, जीडीए के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर के बेटे से लूट

गाजियाबादः जीडीए के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर के बेटे से साथ स्कूटर सवार तीन बदमाशों ने रोडरेज के बाद लूटपाट की। घटना मंगलवार देर रात की है। पीडित ने सिहानीगेट थाने में तहरीर दी है। राजनगर में रहने वाले रवि प्रकाश नोएडा में नॉलेज प्रोसेस सेंटर चलाते हैं। उनके पिता केके शुक्ला जीडीए में चीफ इंजीनियर रह चुके हैं। रवि मंगलवार की रात लगभग साढ़े नौ बजे नोएडा से लौट रहे थे। हापुड़ रोड की ओर से मुड़ते ही ऐसा लगा की उनकी कार में किसी ने टक्कर मारी है। मगर पीछे कुछ न दिखने पर वह चल पड़े। थोड़ी ही देर में स्कूटर सवार तीन युवकों ने ओवरटेक कर उनकी कार रुकवाई और टक्कर मारने का आरोप लगा उन्हें कार से बाहर खींच लिया। आरोपितों ने उनकी जेब से एक हजार रुपये लूट लिए और कार की चाबी निकालने का प्रयास किया। इसी बीच वहां एक और व्यक्ति आ गया। रवि ने इस दौरान 100 नंबर पर फोन कर दिया। पुलिस का नाम सुनते ही चारों युवक वहां से भाग निकले। एसओ सिहानीगेट विनोद पांडेय का कहना है कि मामला रोडरेज का है। आरोपितों की पहचान कर ली गई है। जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

ऑनलाइन शॉपिंग से महंगी घड़ी मंगवाई कामचलाऊ थमाई

गाजियाबाद : ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए होने वाले फ्रॉड के मामले लगातार आ रहे हैं। फोन के डिब्बे में कांच का टुकड़ा निकलने के बाद लग्जरी घड़ी के बदले काम चलाऊ घड़ी थमाने का मामला सामने आया। महीने भर तक कंपनी घड़ी बदलने का आश्वासन देती रही और बाद में इंकार कर दिया। पीडित बुधवार को सिहानी गेट थाने में मामले की शिकायत करने पहुंचे। आरोप है कि पुलिस ने उनकी तहरीर नहीं ली। उन्हें उपभोक्ता फोरम में शिकायत करने का सुझाव दे कर थाने से चलता कर दिया गया। यह घटना पटेल नगर सेकंड में रहने वाले मोहित चौधरी के साथ हुई।

जिला योजना समिति के सदस्यों का चुनाव संपन्न

गाजियाबाद : जिला योजना समिति के आठ सदस्यों का चुनाव बुधवार कराया गया। विकास भवन सभागार में सदस्यों के लिए वोट डाले गए। नगर निगम से पार्षद कृपाल सिंह समिति के सदस्य चुने गए हैं। इसी कडी में खोड़ा से भाजपा समर्थित उम्मीदवार अमित कसाना ने जीत हासिल की है। लोनी से सुमन, डासना से शमां परवीन और मुरादनगर से इंदु त्यागी चुनाव निर्विरोध जीती हैं। मोदीनगर से ललित, फरीदनगर से गुल मोहम्मद अलवी और नगर पंचायत पतला से प्रीति चुनाव जीतकर जिला योजना समिति की सदस्य बनी हैं। मोदीनगर,लोनी और मुरादनगर से चुने गए पार्षद, सभासद वोट डालने के लिए सुबह आठ बजे

से ही विकास भवन पहुंचे। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी विशाल सिंह ने बताया कि आठ सदस्यों में से पांच निर्विरोध और तीन का वोटों के आधार पर नतीजा घोषित किया गया। इसमें मोदीनगर से ललित और आलोक को 102–102 मत मिले। बराबर मत मिलने पर लॉटरी निकाली गई, जिसके आधार पर ललित ने चुनाव जीत लिया।

शिफ्ट की जाएंगी 235 स्ट्रीट लाइटें

गाजियाबाद : रैपिड रेल कॉरिडोर का निर्माण कार्य शुरू होने में तीन महीने का वक्त है। उससे पहले नगर निगम को मेरठ रोड से स्ट्रीट लाइटें शिफ्ट करानी होंगी। नैशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) ने इस काम के लिए मांगे जाने पर नगर निगम को 5 करोड़ 34 लाख रुपये का भुगतान कर दिया है। रैपिड रेल का कॉरिडोर दिल्ली के आनंद विहार से होते हुए कौशांबी मेट्रो स्टेशन के पास से गाजियाबाद की सीमा में प्रवेश करेगा। फिर वैशाली के रास्ते साहिबाबाद होते हुए लिंक रोड और मेरठ तिराहे से सीधे मेरठ रोड के बीचोंबीच डिवाइडर से कॉरिडोर गुजरेगा। दुहाई तक इस बीच नगर निगम की 235 स्ट्रीट लाइटें आ रही हैं।

रैपिड रेल कॉरिडोर

जिसे डिवाइडर से हटाकर मेरठ रोड के दोनों तरफ शिफ्ट किया जाएगा। जुलाई में रैपिड रेल कॉरिडोर का निर्माण कार्य शुरू होना है। उससे पहले नगर निगम स्ट्रीट लाइट शिफ्ट करेगा। रैपिड रेल कॉरिडोर के 281 पिलर ग्रीन बेल्ट पर खड़े किए जाने हैं। उसे लेकर एनसीआरटीसी ने तीन महीने पहले नगर निगम से अनुमति मांगी थी। उस पर अब तक विचार नहीं किया गया है। इस मामले को निगम बोर्ड बैठक में रखने की बात कही जा रही है। इसके अलावा स्टेशनों के लिए जमीन की आवश्यकता है। उस पर भी निगम बोर्ड बैठक में चर्चा के बाद एनसीआरसीटी को जवाब दिया जाएगा। एनसीआरटीसी कई विभागों से अनुमति देने में जुटा हुआ है। यही नहीं उनकी ओर से साहिबाबाद से मोदीनगर नॉर्थ तक 30.31 किलोमीटर का एलिवेटेड कॉरिडोर, स्टेशन और दुहाई में डिपो बनाने के लिए टेंडर आमंत्रित कर लिए गए हैं। दोनों के लिए अलग–अलग टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। अप्रैल में टेंडर खोला जाएगा। जिसके बाद चयनित फर्म को निर्माण की जिम्मेदारी दी जाएगी। नगर निगम के अधिशासी अभियंता आनंद त्रिपाठी का कहना है कि एनसीआरटीसी ने स्ट्रीट लाइटें शिफ्ट करने के लिए 5.34 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। जल्द लाइट शिफ्टिंग का कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

व्यापारियों ने डीएम से मुलाकात कर किया अतिक्रमण हटाने का विरोध

गाजियाबाद : बाजारों में अतिक्रमण हटाने का विरोध कर रहे व्यापारियों ने बुधवार को जिलाधिकारी रितु माहेश्वरी से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। इस दौरान सिहानी गेट मार्केट, नवयुग मार्केट सहित पुराने शहर के अन्य बाजारों से व्यापारी और पार्षद राजीव शर्मा मौजूद रहे। सिहानी गेट व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनुराग गर्ग ने डीएम से बैठक के दौरान कहा कि पिछले दिनों नगर निगम ने नाले से अवैध निर्माण को हटाने अल्टीमेटम व्यापारियों को दिया है। उन्होंने बताया कि 40 वर्ष से ज्यादा समय दुकानों को बने हुए हो गया है अगर अतिक्रमण हटाया गया तो बिल्डिंग को नुकसान पहुंचेगा।

आयकर के अपर निदेशक से ठगी का प्रयास

गाजियाबाद : सिहानी गेट क्षेत्र में बुधवार दोपहर कार सवार तीन युवकों ने आयकर के अपर निदेशक की गाड़ी रुकवा ली। तीनों ने खुद को इंश्योरेंस कंपनी से बताते हुए गाड़ी की ईएमआइ ना देने का आरोप लगाया। अधिकारी के चालक ने बाहर आकर युवकों से आइ कार्ड मांगते हुए अधिकारी की रैंक बताई तो आरोपित गाड़ी में बैठकर फरार हो गए। आशंका जताई जा रही है कि गाड़ी सवार युवक ठकठक गिरोह के बदमाश थे, जोकि उन्हें बरगलाकर ठगी करने के लिए आए थे। दिल्ली के भीकाजी कामा प्लेस में तैनात आयकर के अपर निदेशक देवाशीष रॉय चौध् ारी को बुधवार को गाजियाबाद के सीजीओ कांप्लेक्स स्थित आयकर के कार्यालय में आए थे।

क्रासिंग रिपब्लिक गोल चक्कर पर 23 अवैध दुकानें और खोखे तोड़े

xkft;kckn % क्रॉसिंग रिपब्लिक गोल चक्कर पर बुधवार को जीडीए ने अवैध निर्माण ढहाया। पांच साल पहले बनी 23 दुकानें और खोखे तोड़े गए। अवैध निर्माण के कारण गोल चक्कर पर जाम की समस्या खड़ी होने और बार–बार शिकायतों के कारण यह कार्रवाई की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायत न की गई होती तो सालों साल

दुकानें यहां चलती रहतीं। जीडीए कदम नहीं उठाता। क्रॉसिंग रिपब्लिक में बहुमंजिला इमारतें बनी हुई हैं। शहर के विकसित क्षेत्रों में से एक है। यहां गोल चक्कर पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से दुकानें बना ली थी। कुद खोखे रख लिए। गोल चक्कर के आसपास जगह कम होने के कारण यहां जाम लगने लगा। तब तक जीडीए, पुलिस और प्रशासन की नजर इस पर नहीं पड़ी। लोगों ने कई बार शिकायतें की, सुनवाई नहीं हुई। कई बार लिखित शिकायतों के बाद बुधवार को गोल चक्कर पर बनी दुकानें और खोखे तोड़े गए। जीडीए प्रवर्तन जोन–पांच के प्रभारी अजीत कुमार का कहना है कि क्रॉसिंग रिपब्लिक गोल चक्कर पर 23 दुकानें और खोखे तोड़े गए। यह करीब पांच साल से अवैध रूप से बने हुए थे। गोल चक्कर के पास इनके कारण जाम लगने की शिकायत हुई थी।

bniLFk ugh eljh e cuxk ih,e vkokl ;ktuk dk nk gtkj ¶yV

xkft;kckn % इंद्रप्रस्थ की जगह जीडीए मसूरी के निडौरी गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के फ्लैट बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए 50 हजार वर्ग मीटर भूमि चिह्नित की गई है। यहां दो हजार फ्लैट बनाए जा सकते हैं। यहां भू–उपयोग बदलने की जरूरत पड़ेगी। उसके लिए कवायद शुरू हो गई है। फिर डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी जाएगी। जीडीए ने इंद्रप्रस्थ में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1440 फ्लैट बनाने की योजना बनाई थी। इसकी डीपीआर को राज्य और केंद्र सरकार से मंजूरी मिल गई थी। 160 करोड़ रुपये की लागत से दो कमरे के फ्लैट बनाने थे। निर्माण कार्य शुरू होने से पहले जीडीए की योजना पर विराम लग गया। इस प्रोजेक्ट के लिए चयनित भूमि गैस प्लांट के 500 मीटर दायरे में पाई गई। जिस कारण नियम अनुसार यहां निर्माण संभव नहीं था। इसे देखते हुए जीडीए को यहां फ्लैट बनाने की योजना को टालना पड़ा।

बनारस बम कांड : जिला जज की अदालत में हुई सुनवाई

गाजियाबाद : बनारस बम कांड में बुधवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरजेश कुमर पांडेय की अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान बम कांड का आरोपित वलीउल्लाह कड़ी सुरक्षा में डासना जेल से अदालत में पेश हुआ। बचाव पक्ष के अधिवक्ता महेश चंद ने बताया कि पिछली सुनवाई पर आंध्र प्रदेश के सैदराबाद स्थित मेट्रो पॉलिटियन मजिस्ट्रेट की अदालत में असदउल्लाह द्वारा दिए इकबालिया बयान की सत्यापित कॉपी मंगवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया था। बुधवार को उसी प्रार्थना पत्र पर सुनवाई हुई। उन्होंने बताया कि प्रार्थना पत्र निस्तारण व अगली सुनवाई के लिए जिला जज की अदालत ने नौ अप्रैल की तारीख नियत की है। मालूम हो, कि सात मार्च 2006 को वाराणसी में संकटमोचन मंदिर और रेलवे कैंट पर बम धमाके हुए थे और दशाश्वमेध घाट पर कुकर बम मिला था। बम धमाके में कई लोग मारे गए थे और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। अभियोजन की तरफ से जीआरपी कैंट ध् ामाके में 53, संकट मोचन ध् ामाके में 52 और दशाश्वमेध घाट मामले में 42 गवाह पेश किए जा चुके हैं। तीनों मुकदमे एक साथ गाजियाबाद के जिला जज की अदालत में चल रहे हैं।

सौतेली मां ने बेचा, बाप ने बीड़ी से जलाया, रिपोर्ट दर्ज

xkft;kckn : सौतेली मां द्वारा बेचने, दुष्कर्म और माता–पिता द्वारा मारने–पीटने के मामले में दस साल की बच्ची ने मंगलवार देर रात लोनी थाने में मां–बाप के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। सीडब्ल्यूसी की ओर से पूर्व में लिखे गए पत्र के आधार पर जब मुकदमा दर्ज नहीं किया गया तो बच्ची ने खुद रिपोर्ट दर्ज कराने को फैसला किया। संरक्षण अधिकारी व काउंसलर के साथ बच्ची मंगलवार रात लोनी थाने पहुंची और दो पेज पर लिखी तहरीर एसएचओ को थमा दी। तहरीर में लिखे आरोपों को पढ़कर एसएचओ भी हैरान हो गए। मां और पिता को नामजद कर अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। 18 दिसंबर 2017 को

पुलिस ने गंभीर धाराओं में दर्ज किया मुकदमा

आरोपित दंपति के खिलाफ बच्चों की तस्करी करने, देह व्यापार कराने, बंधुआ मजदूरी कराने, दुष्कर्म करने और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम–2012 की धारा पांच, छह व 17 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

जयपुर बाल कल्याण समिति के माध्यम से लोनी की रहने वाले एक 10 साल की बच्ची को गाजियाबाद लाया गया। तीन माह बाद बच्ची के परिजन समिति कार्यालय में पहुंचे। बच्ची पिता और मां को देखकर रोने लगी। इसके बाद उसकी काउंसङ्क्षलग हुई तो चौंकाने वाला सच सामने आया। बच्ची ने बताया कि उसकी मां की मौत के बाद बुजुर्ग पिता ने दूसरी शादी कर ली। इसके बाद से ही उस पर अत्याचार शुरू हो गए। उसकी मां नाक में नली डालकर उसे कैंसर का मरीज बता भीख मंगवाती थी। घर के सारे काम भी कराए जाते थे। काम में खामी होने पर उसे पीटा जाता था। आरोप है कि पिता गर्म चिमटे और बीड़ी से उसे जलाते थे। बच्ची के मुताबिक मां ने उसे पांच बार अलग–अलग राज्यों के लोगों को बेच दिया, लेकिन वह हर बार वहां से छूट जाती। मगर अंत में उसे परिजनों को ही सौंप दिया जाता। बच्ची ने बताया कि उसके साथ कई बार दुष्कर्म भी किया गया।

EDITORIAL

Do away with consent to strengthen data privacy

Much of the outrage around the recent Cambridge Analytica incident has centred around the fact that academic Aleksandr Kogan could, with a simple Facebook survey app, leverage 270,000 survey respondents to gain access to the data of 50 million users directly from the Facebook platform. While most of those respondents were dimly aware that they must have consented to sharing personal information, many of them were surprised (outraged even) that, in addition to information about them, the app was able to harvest information about their friends as well. Nothing about this incident really surprises me. If anything, I am surprised that everyone around me is so surprised. The Facebook terms of service makes it clear that when we use a Facebook app, we provide the app developers access to a wide variety of information about us for them to use to personalize our user experience. This explicitly includes access to our list of friends. Anyone who has used an app on Facebook has done so based on these terms, and app developers who collect information about our friends are doing so legitimately, based on the consent that we provided. Everyone is upset that Facebook is hiding behind its terms of service. But to me what is more significant is how few of us actually bother to read the terms of service or to fully understand the repercussions of what we are signing up to.

Today, consent is a formality—a step we blindly take when we sign up to new services. We agree to terms and conditions as acts of faith, trusting that the service providers we've signed up with will not let us down. Even if we want to be mindful about what we are committing to, we feel a sense of futility in even attempting to understand these terms as we have no scope to negotiate any provisions we might find unacceptable. Social media networks have become our principal point of interaction with friends and family. As a result, our need to participate on these platforms often overrides our instinct to refrain from agreeing to clauses we disagree with. To be clear, rarely have I found the terms of service of social media platforms to be deceptive. Most alleged violations tend to take place within the realm of what is legally permissible. They usually involve a breach of the spirit rather than letter of the law. In this most recent incident, Kogan's app was entitled to access information about the friends of its users. Kogan then passed that information on to Cambridge Analytica, which was against Facebook's terms. There was nothing illegal about the initial collection, however; what was wrong was that the data wasn't used as it was intended to be. This is why consent cannot be the primary safeguard that protects our personal privacy. When it is made available to them, service providers will hide behind it, using our acceptance of their terms as absolution of their responsibility to protect us from harms we might suffer as a consequence of using their service. If, instead, service providers can be held accountable for their actions despite the consent we have provided them, we might have a useful framework to safeguard our privacy. Last year, I spelled out the contours of such a framework, calling for an accountability regime that completely does away with consent, in Beyond Consent: A New Paradigm For Data Protection. At the time, many argued against such a drastic measure on the ground that consent allowed us to exercise autonomy over what can be done with our data. In the light of recent incidents, I wonder how many still think consent is still useful.

-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

Noida techie booked for firm's data theft

PUNE: The Yerawada police on Monday booked a Noida-based techie for allegedly stealing and misusing valuable data of a Kalyaninagar-based software company. Sahil Survase (33), an officer with the company, lodged a complaint with the police stating that the techie was employed with the company between April and November, 2017, during which time the theft is suspected to have taken place. The complaint said that the techie allegedly stole data of the company's individual Indian and international customers. The data was allegedly stolen from the company's server with the help of data cards and pen drives. Later, the suspect shifted to Noida and started sending emails to the company's customers and defamed the company. He offered parallel services using the stolen data and diverted the company's customers to his own. He prepared a fake email ID to send misleading information of the products offered by the company, the FIR stated. This created confusion among the customers of the company and resulted in defamation of the company, which ultimately led to loss of customers as well as revenue, the complaint stated.

Two dead, three injured in accident in GZB

GZB: Two persons died while three were grievously injured after a truck carrying glass panes overturned following a tyre burst in Kavi Nagar area on Friday night. The incident took place while the truck was getting down a flyover in Lal Kuan area. All the five labourers who were sitting inside got injured by broken glass. According to information, the truck was going towards Rajnagar Extension from Noida Sector 63. Locals gather at the spot and informed the police about the incident. With their help, the injured were rushed to a nearby private hospital – Columbia Asia – where two died during the treatment. The deceased have been identified as Pawan (23) and Kamal (24). Both are residents of Gonda district.

B. Tech drop out Naxal area commander arrested in Noida

NOIDA: A 25-year-old Naxal area commander, carrying a cash prize of Rs 50,000 on his head, was arrested from Harolla village late Monday night in Noida. The accused have been identified as Sudhir Kumar Bhagat, a native of Dewaria Kothi in Muzaffarpur, Bihar. He was wanted in a series of criminal activities, including a train blast in Bihar. The state police had announced Rs 50,000 bounty on his arrest. Noida SSP Ajay Pal Sharma said that the accused had been involved in criminal activities for last ten years. "He had fled home after killing a person over personal rivalry. His brother and father were arrested and convicted in that case," he said. Bhagat later came to Noida and lived at his sister's rented accommodation in Harolla village. He also made a fake Aadhar card and got admission in a private engineering college in Ghaziabad in 2012. However, he frequently visited Bihar and took part in Naxal activities. In 2013, Bhagat quit his studies and fully involved himself in crimes," said police. Police have recovered a .3 bore pistol, five live cartridges, a fake Aadhar card and a college ID card from his possession.

Don't be rude: Mahesh Sharma lays down work ethics for Noida Authority

NOIDA: Union minister Mahesh Sharma advised Noida Authority officials on Saturday to mind their behaviour while talking to people who come with grievances and act swiftly on complaints, saying there had been "some lapses" on their part. "Your behaviour should be such that people can come forward with their problems. There should not be a tendency to speak rudely with someone," Sharma, also the Gautam Budh Nagar MP, said. He was speaking at a meeting with the Authority's CEO, project engineers and other senior officials. The meeting — the first such session in Sharma's tenure as MP — had been organised to review projects undertaken by the Authority. The minister also laid down the "ABC" — availability, behaviour and confidence — of works ethics, pointing out that a number of residents had approached him and even the Prime Minister's Office (PMO) after their complaints had not been addressed by the Noida Authority. Speaking on the issue of sanitation, Sharma directed the officials not to sweep things under the carpet.

Probe ordered into rescue bid of 5-year-old abducted boy

GHAZIABAD: A magisterial probe was ordered by the district administration on Tuesday into the rescue operation of the kidnapped 5-year-old kid by Delhi police in Sahibabad. The operation, in which one of the kidnappers had allegedly been shot dead in retaliatory firing, had taken place on the night of 5 February. The raid had been conducted by Delhi police in Shalimar City housing society in Sahibabad more than 12 days after the kid had been kidnapped from GTB Enclave in Delhi. The kid was rescued from a fifth-floor apartment in the housing society where he had been held hostage by the abductors. The probe in Ghaziabad will be conducted by city magistrate Santosh Bahadur Singh."The enquiry will seek to unravel the entire sequence of events that unfolded in the housing society in Sahibabad on the night of 5 February leading to the recovery of the kid. All documents pertaining to the rescue bid have been sought from the investigating officer of the case.

Gzb : Hit by truck, government bus overturns

GZB: An Uttar Pradesh roadways overturned after being hit by a speeding truck on Tuesday around 3.30am. The driver of the bus received minor injuries in the accident, however five passengers sitting inside escaped unhurt. The police said that the truck driver is absconding. The accident took place at Hapur Chungi crossing when the bus was heading towards Moradabad from Delhi. The bus driver has been identified as Vijaypal Singh. No complaint has been received so far.

Illegal liquor in SUV with BJP flag, 8 booked

GHAZIABAD: A huge cache of illegal alcohol, urea and adulterated liquor was seized from an SUV bearing the flag and sticker of BJP in Khoda. Subsequently, an FIR was registered against the eight occupants of the vehicles who fled from the spot after seeing the police team. According to the police, "Around 5.30am the accused were seen travelling in the SUV. Seeing the police they fled from the spot. One of their accomplices was on a bike. He also fled leaving the two wheeler behind. On

verification, the registration of the vehicle was found to be fake. The vehicle has the sticker of district vice president of BJYM, while the flag of the BJP party was also installed on the bonnet," said SP (City) Akash Tomar.

Two die as truck overturns after tyre burst in Ghaziabad

GZB: Two persons died while three others were grievously injured after the truck in which they were travelling overturned following a tyre burst in Kavi Nagar on Friday evening. The accident took place as the truck was moving down the flyover in Lal Kuan area. The truck contained glass panes and the shards pierced the five when the vehicle overturned. Sources said the truck was going towards Rajnagar Extension from Noida Sector 63. The injured were rushed to a nearby private hospital Columbia Asia where the two persons died during treatment.

Mother of kid who drowned in drain seeks FIR against Ghaziabad mayor

GHAZIABAD: The mother of a four-year-old boy, who had drowned in an open drain in Gulzar Colony two weeks ago, has moved the chief judicial magistrate's court seeking an order to police to register an FIR against the mayor, municipal commissioner and the health officer for not building a wall along the sewer channel that could have averted the accident. Rubina, the petitioner, sought an FIR under IPC Section 304 (culpable homicide not amounting to murder) against mayor Asha Sharma, municipal corporation

commissioner CP Singh and health officer RB Suman, accusing them of not taking any corrective measures despite the death of another child after falling into the drain two days earlier. Rubina's son Ayan was the second child to have drowned in the open drain in Gulzar Colony in a gap of two days. On March 11, another four-year-old child, Aahil, had died after falling into the drain. The Ghaziabad Development Authority has since started building a wall along the drain to prevent any further accidents and suspended a junior engineer responsible for the upkeep of the area. Rubina's counsel Khalid Khan said: "After the death of Aahil, an FIR under Sections 277 (fouling water of public spring or reservoir) and 304A (causing death by negligence) of the IPC had been registered against unidentified GMC officials. However, no such action was taken in the case of Ayan."

Undertrial flees from police custody in GZB

GZB: A man arrested in a robbery case managed to escape from police custody from court premises on Friday. He along with three others was brought to the court for a hearing in Ghaziabad. According to information, Khoda police had arrested three persons including Anil Rana, Aman and Momin while they were making a plan to execute a robbery . Police had also seized a knife from their possession. They were brought to the district court for a hearing on Friday. The fourth person was an accused in a case related to possession of drugs.

Woman found in Ghaziabad field with gunshot injuries

GHAZIABAD: A 34-year-old woman shot at twice lay bleeding in a field in Muradnagar through Friday night before she was spotted by some locals the next morning and taken to a hospital. The woman, Manju, has been admitted to GTB Hospital in Delhi with bullet injuries in the back and chest. Doctors said her condition was serious. Police said though Manju, a resident of Bhojpur, was not in a position to speak, she had blamed her in-laws in a video that the group that had spotted her in the morning had shot before taking her to the hospital. "A man named Amit Tyagi had brought me here saying my husband had met with an accident. My in-laws, including my husband's sister and his elder brother's wife, and a man named Ashok are behind this attack," she says in the video clip. Manju's husband Manveer, a guard with a private agency, has lodged a complaint at Murdanagar police station. An FIR has been lodged under Section 307 (attempt to murder) of IPC. The police have named "Amit Tyagi" as the main accused.

Businessman with strong political links

LUCKNOW: When Anil Agarwal filed his nomination papers for the Rajya Sabha on March 12, he was hardly accompanied by any of senior BJP leaders. Minutes after he completed all the formalities, BJP state president Mahendra Nath Pandey walked into the nomination hall and announced that Agarwal would be BJP's ninth candidate. But it was not a surprise as BJP, after announcing eight candidates, still had 28 votes to spare. Agarwal was thus picked up by the BJP as its ninth candidate who would take on the SP, Congress and RLD backed BSP nominee BR Ambedkar.

How 135km signal-free EPE stretch will ease traffic woes

NEW DELHI: Thousands of trucks entering Delhi, choking roads and causing air pollution will have the option to bypass Delhi from mid-April. Prime Minister Narendra Modi is scheduled to inaugurate the 135km bypass connecting Kundli (NH-1), Ghaziabad(NH-12) and Palwal (NH-2) on April 15. He will also inspect the Delhi-UP Gate section of NH-24, which is being widened to 14 lanes. Opening of the 135km signal-free stretch, also known as Eastern Peripheral Expressway (EPE), will enable vehicles coming through Jaipur to bypass Delhi to head towards Uttarakhand, Kolkata, Uttar Pradesh and Punjab. Similarly, vehicles coming from other directions can use the EPE to bypass Delhi. The Manesar-Palwal section of the priority stretch of the other half of the "Ring Bypass" known as KMP or WPE is already operational. The Manesar-Kundli stretch will be completed by June end will come as a huge relief not just for Delhi and its immediate neighbours but it will also help save time and fuel for long haul traffic.

SHO injured in gunfight with gangster in Ghaziabad

GHAZIABAD: An SHO was shot at by a gangster during a shootout near NH-24 on Saturday night. The gangster, Sonu alias Sunder, was wanted in several cases of loot, murder and attempt to murder cases. Sonu had stabbed to death a data entry operator, Pravesh Sharma (30), in Vijay Nagar, Ghaziabad, on February 8. According to police, the shootout took place as Sonu tried to evade a check-post and opened fire on a police team that cornered him at around 8pm near the highway. The SHO of Vijay Nagar police station, Naresh Singh, sustained a bullet wound on the

left midriff. Singh has been admitted to the ICU of Flores Hospital in Pratap Vihar. "Sonu was on a splendor motorcycle when he was stopped by sub-inspector Shahnawaz at a check-post near a traffic intersection in Vijay Nagar. However, he evaded police and sped in the direction of NH-24. Another team led by SHO, Vijay Nagar, Naresh Singh, cornered him as he was trying to access NH-24. He opened fire on the police van and the cops in which the SHO was injured. Sonu sustained a gunshot wound on his left leg in the retaliatory fire and has been hospitalised. A total of seven to eight rounds were exchanged during the gunfight. The condition of Singh is stated to be stable at the ICU," SP (city) Akash Tomar told TBC. A .315 bore country-made revolver with four cartridges has been recovered from Sonu. According to police, he was jailed in the past for cases of loot and attempt to murder and under the Gangsters Act. Sonu, who is in his mid-30s, belongs to Hapur district. He was carrying a reward of Rs 25,000 for his arrest. "The modus operandi of Sonu was to stab people before robbing them. We are examining his criminal history. There are at least six to seven cases in which he had stabbed and robbed people. The SHO had a narrow escape in the gunfight," SSP Vaibhav Krishna told TBC. On February 8, Sonu had stabbed and robbed a data entry operator, Pravesh Sharma, in Vijay Nagar.

Farmers protest ban on old tractors across western UP

GHAZIABAD/MEERUT: Thousands of tractor-driving farmers blocked roads and laid siege of the offices of district magistrates in various districts of western Uttar Pradesh on Tuesday in protestagainst the ban on diesel vehicles that are more than a decade old. "We can't buy a new tractor every 10 years," a protesting farmer said. The farmers were also vocal against what they called the Centre's "anti-farmer policies" that were "pushing farmers to the brink of suicide". In Ghaziabad, farmer' representatives from 192 villages met district magistrate Ritu Maheshwari, who assured them their demands would be placed before the government. Farmers in Ghaziabad are among the worst affected as, according to the regional transport office (RTO), 70% of the nearly 13,000 tractors registered under the agriculture category are over 10 years old. Rakesh Tikait, national spokesperson for Bharatiya Kisan Union (BKU), under whose aegis the protest was held, said, "It is important to note that we are not against the National Green Tribunal (which imposed the ban) and we honour the court's verdict.

Infant found in Ghaziabad temple was stolen from Delhi

GHAZIABAD: Nearly 24 hours after a three-month-old baby girl was found abandoned at a temple in Abhay Khand, Indirapuram, a couple from Dilshad Garden in Delhi identified the child as their daughter who was kidnapped from their home on Friday night. The couple had filed an FIR in the night itself, a copy of which they brought along to Ghaziabad on Saturday. The Delhi Police have detained two persons, including a woman, Laxmi, who allegedly kidnapped the child. The child was later handed over to the couple after verification of documents. According to sources, the child was found 'abandoned' at Chamunda temple in Abhay Khand, Indirapuram on Friday night. The police had handed her over to Childline, an NGO. The Childline admitted her to MMG district hospital as she was found to be suffering from fever. Arif Khan, incharge, Childline, Ghaziabad, said: "On Saturday, around 6.30pm, a couple from Dilshad Garden along with a Delhi Police constable and the couple's neighbours came to our office claiming that the girl belongs to them. They also produced an FIR which was registered on Friday night itself."

Noida-Ghaziabad metro link costlier by Rs 280 crore as land added

GHAZIABAD: The cost of the third phase of the metro project along two proposed extensions — Noida Sector 62 to Sahibabad and Vaishali to Mohan Nagar — has escalated from Rs 3,711 crore to Rs 3,991 crore. The new estimate was included in the revised detailed project report (DPR) after the Delhi Metro Rail Corporation(DMRC) accounted for the cost of nine hectares of land needed for the project. The DPR was submitted by DMRC to Ghaziabad Development Authority on Saturday. In February, the DMRC had submitted the DPR for the third phase of the project but the

GDA returned it as the report did not contain a number of points, including financial feasibility report, and asked for a revised DPR. "The cost of land required for the project along two corridors was not accounted for in the original DPR, which had estimated the total cost of the project at Rs 3,711 crore," said V N Singh, chief engineer. "Now, in the revised DPR, the cost of about nine hectares of land, which would be needed for the project, has been accounted for. After collating the previous and new cost, there has been an increase of Rs 280 crore and this has resulted in cost escalation of the project by nearly 7.5%. The total amount is now Rs 3,991 crore against the previous Rs 3,711 crore," added Singh. Land required for the Vaishali to Mohan Nagar corridor for four stations — including Prahlad Garhi, Sector 14 Vasundhara, Sahibabad and Mohan Nagar — and for the elevated section is 7.91 hectares. The cost of this land according to the circle rate has been estimated to be Rs 448.15 crore in the revised DPR. In the original DPR, it was only Rs 115 crore. Similarly, land requirement for Noida Electronic City to Sahibabad corridor for four metro stations, which includes Vaibhav Khand, DPS Indirapuram, Shakti Khand and Sector 5 Vasundhara, and for the elevated section is 1.86 hectares. The cost of the land, according to the circle rate, is estimated at Rs 178 crore in the original DPR but in the revised DPR, it came down to Rs 125 crore. After computing the land cost on the two corridors, there has been a hike of Rs 280 crore in the new DPR. The revised DPR also suggested how GDA would recover a portion of the total cost of the project.

हेल्प लाईन नंबर

गाजियाबाद प्रशासन

डीएम -	2824416
आवास -	2820106
एडीएम (सिटी) -	2828411
एडीएम (प्रशासन) -	2827016
सिटी मजिस्ट्रेट -	2827365
आयकर विभाग -	2714144
पासपोर्ट कार्यालय -	2721779

पुलिस अधिकारी

एसएसपी -	2821120, 2820157
पुलिस अधीक्षक नगर -	2854015
पुलिस अधी. यातायात -	2829520
क्षेत्राधिकारी प्रथम -	2733070
क्षेत्राधिकारी द्वितीय -	2791769
क्षेत्राधिकारी तृतीय -	9958776662
क्षेत्राधिकारी चतुर्थ -	2898131
साहिबाबाद -	2630691
कविनगर -	2711843
लिंकरोड़ -	2770310
इंदिरापुरम -	2275858
लोनी -	2600097

जीडीए

उपाध्यक्ष जीडीए -	2791114
जीडीए सचिव -	2790891

अस्पताल

सी.एम.ओ. -	2710754
सी.एम.एस. -	2730038
आपातकालीन -	2850124
कोलम्बिया एशिया -	3989896
यशोदा अस्पताल -	2750001-04
गणेश अस्पताल -	4183900
संतोश अस्पताल -	2741777
सर्वोदय अस्पताल -	2701694
जि0 अस्पताल(एम्बुलेंस) -	2730038

नरेन्द्र मोहन अस्पताल (एम्बुलेंस) 2735253
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस) 2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल 4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर 43075600

बीएसएनएल

आदेश कुमार (जीएम) -	2755777

अग्निशमन विभाग

नगर कन्ट्रोल रूम -	2734906
कन्ट्रोल रूम-कोतवाली -	2732099
जिला कन्ट्रोल रूम -	2766898

पुलिस स्टेशन

कोतवाली -	2732088
सिहानी गेट -	2791627
कविनगर -	2711843
विजयनगर -	2740797
लिंकरोड -	9999993066
इंदिरापुरम -	2902858
साहिबाबाद -	9999993020
लोनी -	2600097
अग्निशमन विभाग -	2732099, 9818702101
रेलवे इन्कवायरी -	131

नगर निगम

नगरायुक्त -	2790425, 2713580

विद्युत विभाग

मुख्य अभियंता -	2821025

पूछताछ

रेलवे कस्टमर -	2797840, 139
रिजर्वेशन -	8888
रोडवेजइन्कवायरी -	2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
Phone No.: 0120-2850800, 2850297

Hindon barrage to Kanawani bridge to be one-way soon

GHAZIABAD: The stretch of road connecting Hindon barrage to Kanawani bridgein Indirapuram will become a one-way after the elevated road is thrown open to traffic. As part of a traffic management plan devised for the elevated road, only those vehicles travelling along the stretch from Hindonbarrage towards Kanawanibridge on CISF-Vasundhara Road in Indirapuram will be allowed on the stretch. The decision has been taken in the light of the fact that the ramp of the

elevated road, which allows vehicles travelling from Raj Nagar Extension to Indirapuram, will descend on this stretch near the Kanawani bridge. "There is bound to be a traffic jam at this point if vehicles from both directions merge at the foot of the ramp. Consequently, it was decided to stop movement of vehicles from the Kanawani bridge towards the Hindon barrage via the ramp of the elevated road. Vehicles bound for Hindon barrage and GT Road can travel through the alternative parallel road through Vasundhara at the other side of the barrage," SP (traffic) Shyam Narayan Singh told TBC. The traffic management plan has been worked out after a series of consultations with the engineering department of GDA.

5 years on, wife and lover get life term for murder

GHAZIABAD: A city court on Saturday had sentenced a 35-year-old woman and her lover to life imprisonment for killing her husband five years ago. The sentence was awarded on the testimony of the woman's 13-year-old daughter. The murder had taken place at the victim's house in Loni on June 3, 2013. In her statement to the police, the minor girl had said that she had seen her mother, Munni, and her friend Hashmuddin strangulating her father Harish Rawat with the help of a dupatta. Initially, Munni had put all the blame on Hashmuddin for killing her husband over an argument. But later, when the girl told her father's elder brother Khem Singh about her mother's involvement, she was also named as an accused in the FIR. Additional district and sessions judge-12 Ram Kishore Pandey imposed a fine of Rs 5,000 each on the two culprits. The duo is serving a jail sentence for the past five years in Dasna. In total, seven witnesses gave statements against the duo.

Undertrial who escaped police custody arrested

GZB: An undertrial, who had managed to escape from the police custody from court premises two days back, was arrested on Sunday from his aunt's house in Khoda. The police also arrested the accused's mother, aunt and his son for harbouring him. Khoda police had arrested Anil Rana along with Aman and Momin on Thursday night while they were making a plan to execute a robbery incident. Next day while being produced before a magistrate at Ghaziabad Court, Rana had fled from the court's premises after pushing aside the constables who were escorting them.

Operation Dastak: 182 nabbed in 12 hours in Ghaziabad

GHAZIABAD: In a 12-hour-long drive aimed at nabbing wanted criminals and those having non-bailable warrants from courts, the police arrested 182 persons in Ghaziabad on Saturday. The drive, code named Operation Dastak, was launched in the district at 8am on Saturday. Out of the 182 arrested, 81 were wanted in heinous crimes like murder and rape registered in various police stations. The remaining 101 had non-bailable warrants pending against them, said an officer. "We had prepared a list of 270 people who have been evading arrest in the district. During the crackdown which lasted 12 hours on Saturday, 24 other accused surrendered on their own in local courts. Twelve of them were wanted in cases of heinous crimes while the rest had non-bailable warrants against them. The operation, which is aimed at flushing out criminals and boosting the morale of the police, will continue," said SSP Vaibhav Krishna. Of the arrested criminals, four were wanted in cases of murder while seven were wanted in rape cases. Eight criminals were accused in cases of kidnap while three were named in loot cases. Ten criminals were named as accused in cases registered under the Gangsters Act. The operation was undertaken across all 15 police stations of the district, out of which eight are located in the city and the remaining seven in the rural, said the SSP. "Apart from arresting the criminals, our teams have made huge recoveries of illicit liquor, cannabis and stolen vehicles during the crackdown. Nearly 218 litres of illicit liquor was seized apart from nine country-made pistols, cartridges and mobile phones," said Krishna. Late on Saturday night, police had arrested a wanted criminal, Rahul (25), after a gunfight near Balmukand Residency in Raj Nagar Extension.

Boy kept in Ghaziabad police station: SSP orders probe

GZB: The Ghaziabad SSP has ordered an inquiry into an allegation that an eight-year-old boy found travelling alone in an auto was kept at the Indirapuram police station for three days before being handed over to the child welfare committee. "I learnt about the matter through newspaper reports and ubsequently ordered an inquiry into it. The allegations will be verified. We will also take the view of the child welfare committee into account in this particular case," SSP Vaibhav Krishna said. According to the committee officials, the eight-year-old boy was kept at the police station for three days before they were informed about him.

Joint police teams of Meerut, Ghaziabad crack Sahibabad gold heist, 2 arrested

MEERUT: A joint team of Meerut and Ghaziabad police on Sunday night nabbed two persons and claimed to have cracked the sensational Sahibabad heist, in which two employees of a Mumbai-based bullion firm were allegedly robbed of 10kg gold at gunpoint by four men. The robbery had taken place last Sunday in Sahibabad and two of the accused were in Delhi Police uniform. Sleuths of Meerut's Delhi Gate police station and Ghaziabad crime branch picked up an employee of a jewellery shop in Meerut on Sunday morning. On interrogation, the accused, Ram Vilas Yadav, revealed the

name of another person involved in the case, a senior police officer said. Later, the policemen arrested Shailendra Kumaron the tip-off given by Yadav. The arrested accused later revealed the names of two prime suspects in the heist, both natives of Bulandshahr. "Based on the inputs of Yadav, police have also narrowed down on the prime suspects in the case, Vikas and Satendra, both hailing from Bulandshahr.

Probe ordered into Ghaziabad police assault clip

GZB: A video of a traffic constable pulling the hair of an autorickshaw driver and a voice from behind seeking a bribe of Rs 100 from him went viral in the social media on Friday. The location has been identified as near the bus stand in Ghaziabad under Kotwali police station. However, it is not clear who shot the 27-minute mobile phone video and the date on which it was shot. The driver could be heard crying for help and asking the constable to seize the vehicle but stop beating him. Although SP (traffic) SN Singh denied the bribery allegation, he said an inquiry has been ordered to ascertain the facts.

Escaped undertrial held in Ghaziabad, mom too in net

GHAZIABAD: An undertrialwho had escaped from the court premises two days ago was arrested on Sunday from his aunt's place in Khoda. The accused's mother, aunt and his son were also arrested for sheltering him. Khoda police had arrested Anil Rana along with Aman and Momin on Thursday night while they were making a plan to execute a robbery. The next day, while being produced in a Ghaziabad Court, Rana had pushed aside the constables escorting them and fled. The two constables — Praveen and Sohanpal — were subsequently suspended for dereliction of duty. An FIR was also registered against them . Senior sub-inspector Om Prakash said: "Rana was caught from her aunt Neelam's house at Lokpriya Vihar in Khoda. Police were looking for him in his native place in Sikandrabad in Bulandshahr and Moradabad. "On Sunday morning, we got information that he was hiding in Khoda itself. Rana was caught around 5.30am. An FIR under Section 224 (resistance or obstruction by a person to his lawful apprehension) of the IPC has been registered against him," he added.

सावधान : PAYTM के फर्जी एप से हो रही ठगी

पेटीएम के फर्जी एप से दूसरे के पेटीएम में पैसे ट्रांसफर करने में दिखाता है Money Sent, लेकिन दूसरे के पेटीएम वॉलेट में नहीं पहुंचते पैसे, सर्वर डाउन का बहाना बनाकर ठग दुकानों से सामान लेकर हो जाते है गायब

गाजियाबाद : पेटीएम की तरह दिखने वाले एक फर्जी एप के जरिए ठगों ने कपड़ा कारोबारी से ठगी की। साहिबाबाद के लाजपत नगर में 8600 रुपये के कपड़े खरीदने के बाद चार युवकों ने पेटीएम से भुगतान किया। युवकों ने अपने मोबाइल में दिखाया कि रुपये पहुंच गए हैं, लेकिन दुकानदार के पेटीएम वॉलेट में रुपये नहीं आए। जांच में पता चला कि फर्जी पेटीएम एप डाउनलोड कर इस तरह दुकानदारों से ठगी का जी रही है। चारों युवक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। साहिबाबाद पुलिस मामले में एफआइआर दर्ज कर जांच कर रही है। साहिबाबाद के राजेंद्र नगर सेक्टर– पांच में दिनकर गुप्ता परिवार के साथ रहते हैं। उनकी लाजपत नगर में आसम कलेक्शन के नाम से कपड़े की दुकान है। उन्होंने बताया कि बुधवार शाम को उनकी दुकान पर कार से चार लड़के कपड़े खरीदने आए थे। सभी ने 8600 रुपये के कपड़े खरीदे और पेटीएम से भुगतान करने को कहा। युवकों ने पेटीएम से रुपये भेजे। युवकों की मोबाइल में दिखा कि रुपये पहुंच गए, लेकिन दिनकर गुप्ता के पेटीएम वॉलेट में रुपये नहीं आए। इस पर युवकों ने कहा कि कई बार सर्वर की वजह से रुपये देरी से पहुंचते हैं। इस पर दिनकर गुप्ता ने युवकों का मोबाइल नंबर और भुगतान का स्क्रीन शॉट लेकर रख लिया। गुरुवार तक रुपये नहीं आए तो उन्होंने पेटीएम के अधिकारियों से मामले की शिकायत की। ट्रांजेक्शन आइडी से पता कि पेटीएम से भुगतान ही नहीं किया गया है। साहिबाबाद एसएचओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि मामले की एफआइआर दर्ज कर जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज के जरिए फर्जी पेटीएम एप से खरीदारी करने वाले युवकों की भी तलाश की जा रही है।

पेटीएम के फर्जी एप से किया था भुगतान

दिनकर गुप्ता ने बताया कि पेटीएम के अधिकारियों से उन्हें जानकारी मिली की पेटीएम से मिलता हुआ एक फर्जी एप से भुगतान किया गया है। इस एप में केवल भुगतान करने वाले के मोबाइल पर दिखता है कि रुपये दुकानदार के पेटीएम वॉलेट में पहुंच गए हैं, लेकिन रुपये नहीं पहुंचते हैं।

पेटीएम कंपनी की शिकायत पर जांच शुरू

नोएडा सेक्टर– छह स्थित पेटीएम कार्यालय के अधिकारियों ने वहीं के साइबर सेल में शिकायत की है कि पेटीएम की तरह एक फर्जी एप से दुकानदारों से ठगी की जा रही है। गाजियाबाद क्राइम ब्रांच प्रभारी दिनेश यादव ने बताया कि इसकी जांच की जा रही है कि किसने और कहां से यह फर्जी एप तैयार किया था।

बैंक पे एप से चेक किया बैलेंस तो गंवा बैठे 50 हजार रुपये

गाजियाबाद : बैंक खाते में क्रेडिट होने वाली राशि की मैसेज से जानकारी न आने से परेशान ग्राफिक डिजाइनर को बैंक के फेसबुक पेज से मदद मांगना भारी पड़ गया। खुद को बैंककर्मी बताने वाले ने कॉल कर बैंक का यूपीआइ एप डाउनलोड करने को कहा। आरोप है कि एप से बैलेंस चेक करते ही उनके एटीएम से 25–25 हजार रुपये दो बार में निकाल लिए गए। पीडिघ्त 11 दिन से नगर कोतवाली और एसएसपी आफिस के चक्कर काट रहा है, लेकिन अभी तक मामले में रिपोर्ट तक दर्ज नहीं हुई। नई बस्ती के रहने वाले गौरव मित्तल ग्राफिक डिजाइनर हैं। उनका यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में बचत खाता है। बैंक के फेसबुक पेज पर की गई पोस्ट पर कमेंट कर उन्होंने कुछ दिन पर एसएमएस अलर्ट सिस्टम की खामी के बारे में बताया। उनका कहना था कि खाते से रजिस्टर्ड नंबर पर सिर्फ डेबिट के ही मैसेज आते हैं। 18 मार्च को उन्हें फोन आया। कॉलर ने खुद को बैंककर्मी बता प्ले स्टोर से भीम यूनियन बैंक पे एप डाउनलोड करने को कहा। एप को ओपन कर उन्होंने मोबाइल नंबर को वेरिफाई कराया तो बैंक का नाम सेलेक्ट करते हुए खाते की सभी डिटेल्स आ गईं। आरोप है कि बैलेंस चेक करने को जैसे ही क्लिक किया तो दो बार में उनके एटीएम से 25–25 हजार रुपये निकाल लिए गए। आरोप है कि बैंक द्वारा कोई भी जानकारी नहीं दी गई और टॉल–फ्री नंबर से कार्ड भी ब्लॉक नहीं किया गया। एसएसपी को शिकायत के बाद मामले को साइबर सेल को सौंप दिया गया, लेकिन रिपोर्ट तक दर्ज नहीं हुई।

ftyk ipk;r puko % ukV d [ky dk ohfM;k ok;jy

गाजियाबाद : हाल ही में जिला पंचायत अध्यक्ष बनीं लक्ष्मी मावी का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में लक्ष्मी मावी के आवास पर भाजपा नेता जश्न मना रहे हैं। इसमें पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बबली कसाना संबोधित कर रहे हैं। वीडियो में बबली कसाना चुनाव में नोट और सेटिंग की बात मंच से कह रहे हैं। वहीं विधायक नंदकिशोर गुर्जर को जीत का सारथी भी बता रहे हैं। वीडियो में बबली कसाना यह कह रहे हैं कि जिला पंचायत चुनाव के लिए इतने नोट चाहिए कि देते हुए कलेजा फट जाए। चुनाव के लिए पक्ष में लोग कम थे और विपक्ष में ज्यादा, सात महीने की फीलिंडंग में पांच महीने पैसा बंटवाने में एक–एक पैसा मेरे हाथ से गया। विधायक नंदकिशोर गुर्जर वीडियो में दिखाई दे रहे हैं और बबली कसाना की बात पर जी भरकर मुस्कुरा भी रहे हैं लोग ताली बजा रहे हैं। इस बारे में जब विधायक नंदकिशोर गुर्जर से संपर्क करने का प्रयास किया गया तब उनका मोबाइल स्विच ऑफ मिला। महानगर अध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी का कहना है कि यह एक पुराना वीडियो है। किसी ने बड़ी चालाकी से कट पेस्ट कर फेक वीडियो तैयार किया है। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी मावी के पति पवन मावी का कहना है कि यह वीडियो पूरी तरह से फेक है। इसमें ओडियो सेट किया गया है। चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष हुआ है, नोट और सेटिंग की बात पूरी तरह से गलत है।

नहीं खर्च कर पाए 17 करोड़, वापस होंगे पैसे

गाजियाबाद : कई महीनों तक दवाइयों के बजट का रोना रोने वाला स्वास्थ्य विभाग इस समय इतना मालामाल है कि पैसे खर्च भी नहीं कर पा रहा है और शासन स्तर से लगातार पैसे खर्च करने का दबाव बनाया जा रहा है। शासन भी स्वास्थ्य विभाग से एक कदम आगे है, दो दिन पूर्व सात करोड़ का अतिरिक्त बजट भेज दिया और इसे खर्च करने की गाइडलाइन तीस मार्च को आएगी। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग भी पशोपेश में है कि बजट को किस मद में और कहां खर्च करे। विभाग को सत्र 2017– 2018 में विभिन्न मदों में खर्च करने और मरीजों के बेहतर इलाज के लिए शासन स्तर से करीब 60 करोड़ रुपये का बजट आया था। सत्र समाप्त होने में केवल दो दिन शेष हैं लेकिन विभाग से कुल 32 करोड़ रुपये ही खर्च कर पाया है। पिछले वित्तीय वर्ष की अपेक्षा इस बार करीब पंद्रह फीसद अधिक बजट मिला था, इसमें से करीब आठ करोड़ रुपये ऐसे थे जो जिले में प्रस्तावित अलग–अलग स्थानों पीएचसी एवं सीएचसी खोलने के लिए स्टाफ की नियुक्ति होनी थी। मजेदार बात रही है कि न तो नई सीएचसी पीएचसी खुली और न ही स्टाफ की नियुक्ति हुई इसके बावजूद स्टाफ को सैलरी देने के लिए आठ करोड़ रुपये का बजट आ गया। इसके अलावा कई मद ऐसे हैं जिनमें न तो बजट खर्च करने की कोई गुंजाइश है और न ही अन्य मद में खर्च किया जा सकता है। वर्ष के शुरुआत से लेकर मध्य यानि अक्टूबर तक बजट की कमी के कारण कई उधारी की दवाईयां आईं तो कई बार दवाइयों का स्टॉक भी समाप्त हो गया। वहीं कुछ मद ऐसे थे जिनमें खर्च कुछ नहीं था लेकिन पैसा करोड़ों में आया।

स्वास्थ्य विभाग

शासन ने मांगी 100 क्यूसेक गंगाजल प्लांट की डीपीआर

गाजियाबाद : 100 क्यूसेक का गंगाजल प्लांट बनने का रास्ता जल्द साफ हो जाएगा। शासन ने 342 करोड़ की लागत से बनने वाले प्लांट की डीपीआर मांगी है। 30 अप्रैल तक शासन को डीपीआर भेज दी जाएगी। प्लांट बनने से मोहननगर, अर्थला, राजनगर एक्सटेंशन और साहिबाबाद आदि क्षेत्र के लाखों लोगों को पानी की भरपूर आपूर्ति हो सकेगी। ट्रांस हिडंन क्षेत्र में सालों से 100 क्यूसेक का गंगाजल प्लांट बनाने की योजना है, लेकिन मुरादनगर गंगनहर से शहर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए जमीन नहीं मिलने से सिंचाई विभाग ने हाथ पीछे खींच लिए थे। इस प्लांट के लिए जीडीए 40 करोड़ और नगर निगम 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था करेगा। सिंचाई विभाग ने सर्वेक्षण के लिए 15 करोड़ रुपये की मांग की हैं। ट्रांस हिंडन क्षेत्र में पानी की आपूर्ति कम है। मांग की तुलना में 60 प्रतिशत पानी की आपूर्ति हो पा रही है। सबसे ज्यादा बुरा हाल मोहननगर जोन में है। यहां 60 एमएलडी पानी की जरूरत है। जिसमें से 35 एमएलडी की सप्लाई हो पा रही है।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
Bureau Chief
5, Ashok Vihar, 3rd Floor, GMS Road, Nr. Ballupur Chowk, Dehradun.
Mobile: +91 8130640011
Email: prateekb@tbcgzb.com
www.tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

BUREAU OFFICE
VIKRAM KUMAR
Bureau Chief
12/516, Friends Co-operative Society Vasundhra, Ghaziabad (UP)
Mobile: +91 8130640077
Email: vikram@tbcgzb.com
www.tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargav at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor : Manisha Bhargava** Email: editor@tbam.co.in **(RNI. No) : UPBIL / 2009 / 28691 Postal Registration No. UP/GBD-80/2016- 18.** Advertisement : Ph. No. : 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at 67, 1st Floor, Richpal Puri, Hapur Road, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Reproduction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.